

शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION

India भारत Focus Country
Russian Federation



Organiser



राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
NATIONAL BOOK TRUST, INDIA
Ministry of Education, Government of India



Theme Pavilion
Concept and Design

थीम मंडप
परिकल्पना एवं डिज़ाइन

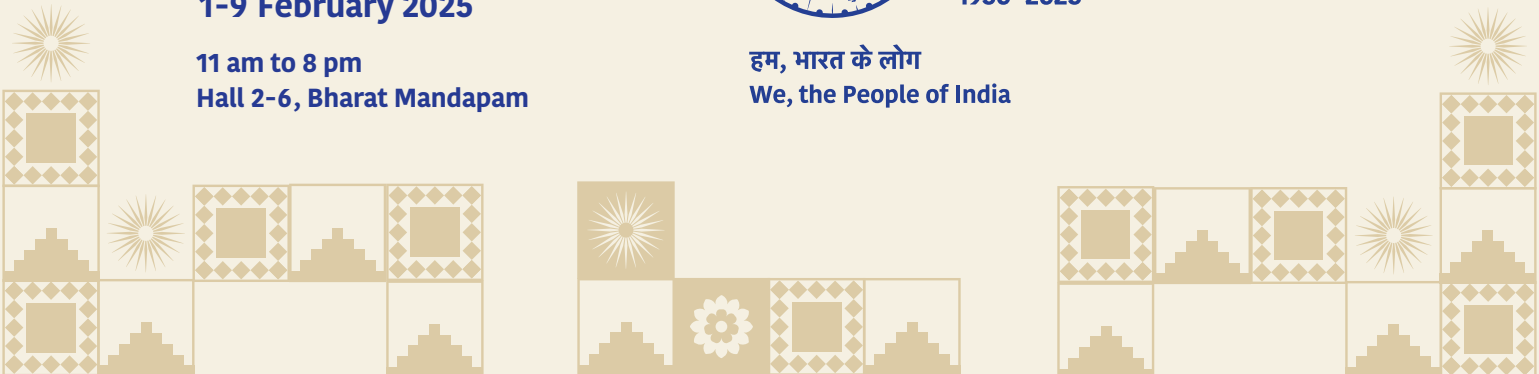
New Delhi
**WORLD
BOOK FAIR**
1-9 February 2025

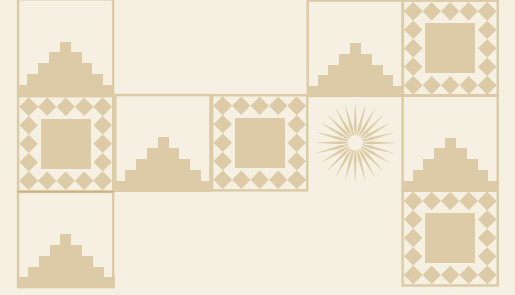
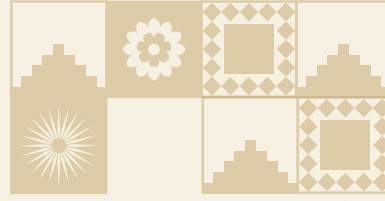
11 am to 8 pm
Hall 2-6, Bharat Mandapam



CELEBRATING
75 YEARS
OF INDIA AS A
REPUBLIC
1950-2025

हम, भारत के लोग
We, the People of India





**CELEBRATING
75 YEARS
OF INDIA AS A
REPUBLIC**
1950-2025



संकल्पना नोट

इस वर्ष थीम मंडप एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक विषय पर आधारित है - गणतंत्र भारत के 75 वर्षों का उत्सव। यह आधुनिक भारत की सबसे पवित्र पांडुलिपि, हमारे संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है, जिसने अपने आधारभूत मूल्यों के माध्यम से राष्ट्र को एकजुट किया है।

प्रदर्शनी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा संविधान की यात्रा पर प्रकाश डालता है, जो इसकी शुरुआत से लेकर संविधान सभा के विचार-विमर्श की झलकियों व भारत और उसके लोगों के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में इसके स्थायी प्रभाव को प्रस्तुत करता है। यह प्रदर्शनी हमारे संविधान में निहित कला पर विस्तृत प्रकाश डालती है, तथा उन कलात्मक योगदानों पर करीब से दृष्टि डालने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिन्होंने इसमें सौंदर्यात्मक चमक भर दी, तथा इसकी विरासत को अत्यंत समृद्ध किया।

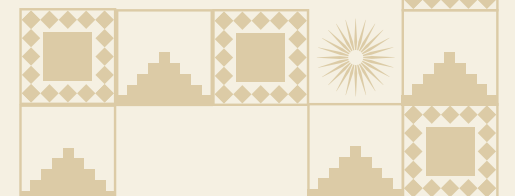
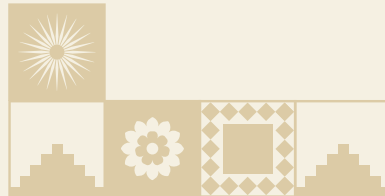
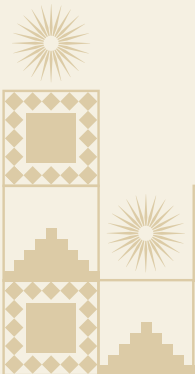
विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका तथा मीडिया के चार स्तंभों के माध्यम से, थीम मंडप संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रस्तुत कर भारत की अस्मिता के आधार की निरंतर प्रासंगिकता की पुष्टि करता है।

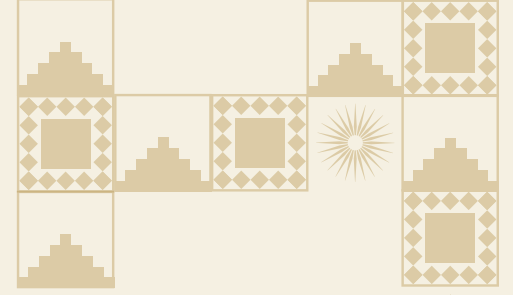
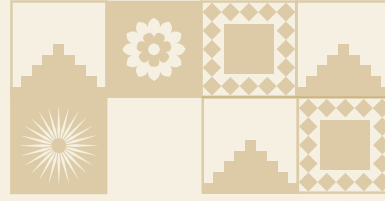
CONCEPT NOTE

This year, the Theme Pavilion marks a significant milestone—75 years of India as a Republic. It highlights the pivotal role of our Constitution, the most sacred manuscript of modern India, in unifying the nation through its foundational values.

A major section of the exhibit highlights the Constitution's journey—from its inception and glimpses of Constituent Assembly debates to its lasting impact as a guiding force for India and its people. The exhibit places a magnifying lens on the art in our Constitution, encouraging a closer look at the artistic contributions that breathed aesthetic brilliance into it, further enriching its legacy.

Through the role of the four pillars of legislature, executive, judiciary, and media, the Theme Pavilion celebrates the Constitution's role affirming its continued relevance as the foundation of India's identity.





**CELEBRATING
75 YEARS
OF INDIA AS A
REPUBLIC
1950-2025**



डिज़ाइन नोट

थीम मंडप का डिज़ाइन भारत के संविधान पर आधारित है, जो उस नींव का प्रतीक है जिस पर न्याय, समानता, स्वतंत्रता एवंबंधुत्व के स्तंभ स्थित हैं। मंडप का डिज़ाइन स्थिरता, संतुलन व मज़बूती की भावना उत्पन्न करने के लिए, संविधान के तत्वों की संरचना कर, इसकी आधारभूत भूमिका को प्रतिबिंबित करता है।

मंडप के प्रत्येक भाग को संविधान के स्थायी प्रभाव को उजागर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें दृश्य संकेत हैं, जो विविधतापूर्ण राष्ट्र में एकता एवं सामंजस्य को दर्शाते हैं। न्याय, समानता, स्वतंत्रता एवं बंधुत्व का प्रतिनिधित्व करने वाले स्तंभों को वास्तुशिल्प डिज़ाइन में एकीकृत किया गया है, जो संविधान में निहित मूल्यों का प्रतीक एवं राष्ट्र की लोकतांत्रिक भावना का आधार हैं। मंडप में प्रदर्शित कला एवं शिल्प-कौशल संविधान की सौंदर्य समृद्धि की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं।

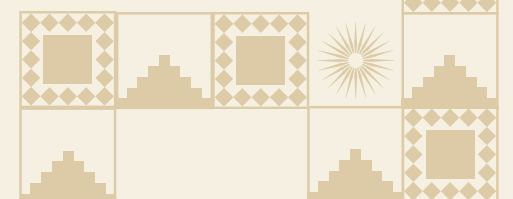
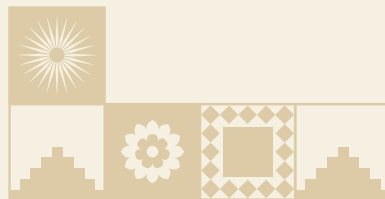
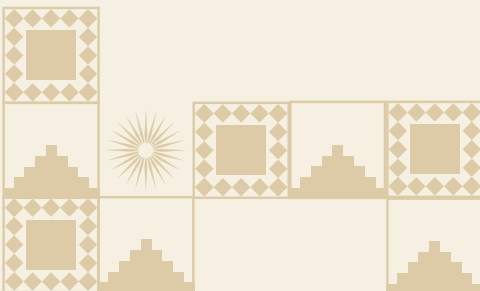
मंडप का लेआउट संविधान की संरचना एवं स्वरूप को दर्शाता है - यह आगंतुकों को संविधान के इतिहास, कला व भारत की पहचान को आकार देने में इसकी निरंतर प्रासंगिकता के बारे में मार्गदर्शन करने के लिए कुशलतापूर्वक संयोजित किया गया है। संविधान को केंद्र में रखकर यह मंडप, सरकार की तीनों शाखाओं एवं नागरिकों चौथे स्तंभ, मीडिया के साथ, तथा लोकतंत्र को सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका, को संचालित व उन्हें एकजुट करने वाले खाके (ब्लूप्रिंट) के रूप में इसकी भूमिका का जीवंत प्रतिनिधित्व बन जाता है।

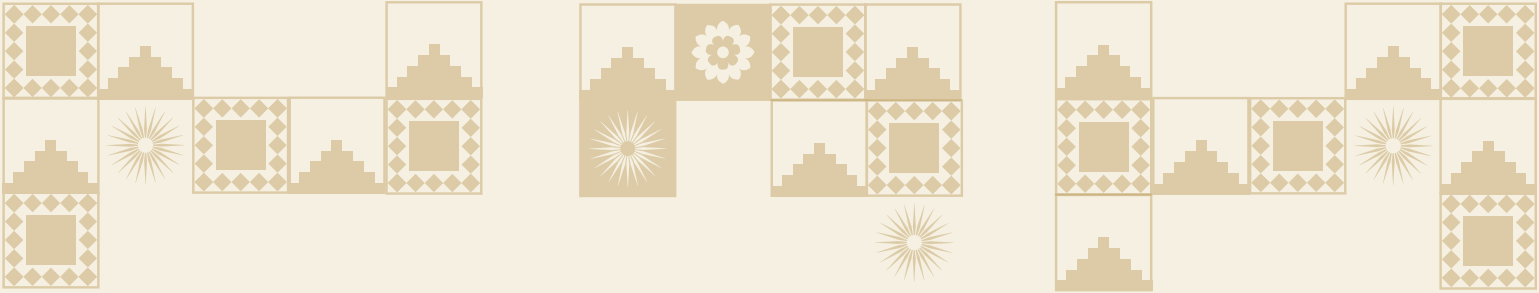
DESIGN NOTE

The design of the Theme Pavilion is built upon the Constitution of India as its core, symbolising the foundation on which the pillars of justice, equality, liberty, and fraternity stand. The Pavilion's design reflects this foundational role by structuring its elements to evoke a sense of stability, balance, and strength.

The Pavilion is designed to highlight the Constitution's making and its enduring impact, with visual cues that mirror the unity and cohesion it brings to our diverse nation. The art and craftsmanship showcased in the Pavilion further draw attention to the Constitution's aesthetic richness.

The layout of the Pavilion reflects the framework and structure of the Constitution itself—meticulously organised to guide visitors through its history, its art, and its continued relevance in shaping India's identity. By placing the Constitution at the centre, the Pavilion becomes a living representation of its role as the blueprint that governs and unites the three branches of government and the citizens of India along with the fourth pillar, Media, and its role in ensuring democracy.





New Delhi
WORLD BOOK FAIR
1-9 February 2025



CELEBRATING
75 YEARS
OF INDIA AS A
REPUBLIC
1950-2025

11 am to 8 pm
Hall 2-6, Bharat Mandapam

हम, भारत के लोग
We, the People of India

